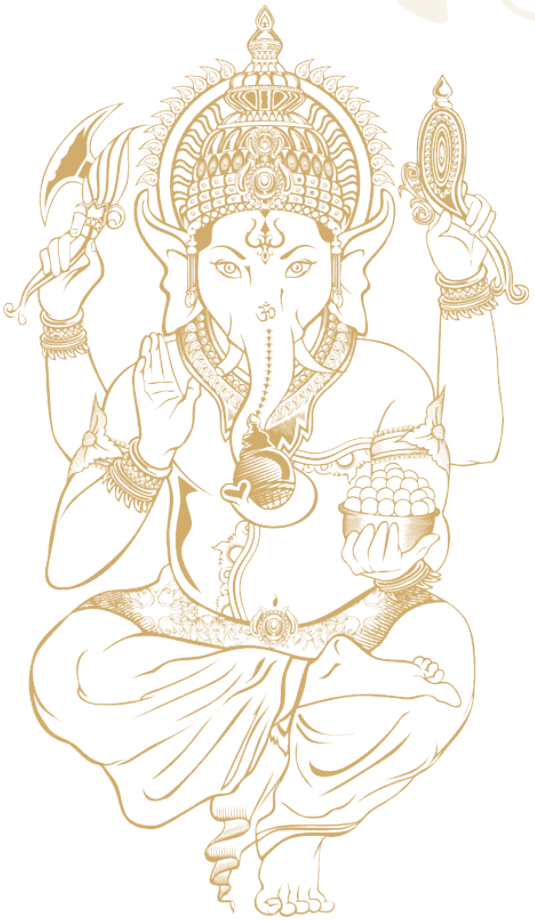

A p

28 Sep 1980

05:25 AM

Anantapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120670507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/09/1980**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**05:25:00 घंटे**
इष्ट	57:45:00 घटी
स्थान	**Anantapur**
देश	India

अक्षांश	14:04:00 उत्तर
रेखांश	75:07:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:55:28 घंटे
वेलान्तर	00:09:00 घंटे
साम्पातिक काल	05:23:09 घंटे
सूर्योदय	06:18:59 घंटे
सूर्यास्त	18:21:50 घंटे
दिनमान	12:02:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	11:25:42 कन्या
लग्न के अंश	27:21:50 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वज्र
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:21:50	353:54:34	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	11:25:42	00:58:53	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	सम राशि
चंद्र			वृष	00:41:36	14:38:48	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	उच्च राशि
मंगल			तुला	26:23:39	00:41:33	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
बुध			तुला	03:39:37	01:21:37	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	00:19:13	00:12:52	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	28:29:09	01:07:39	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि		अ	कन्या	07:13:39	00:07:26	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	25:36:50	00:05:51	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	25:36:50	00:05:51	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			तुला	29:22:43	00:02:47	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
नेप			वृश्चि	26:31:02	00:00:53	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
प्लूटो			कन्या	27:26:33	00:02:19	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	---
दशम भाव			वृष	27:56:57	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:35:05

लग्न-चलित

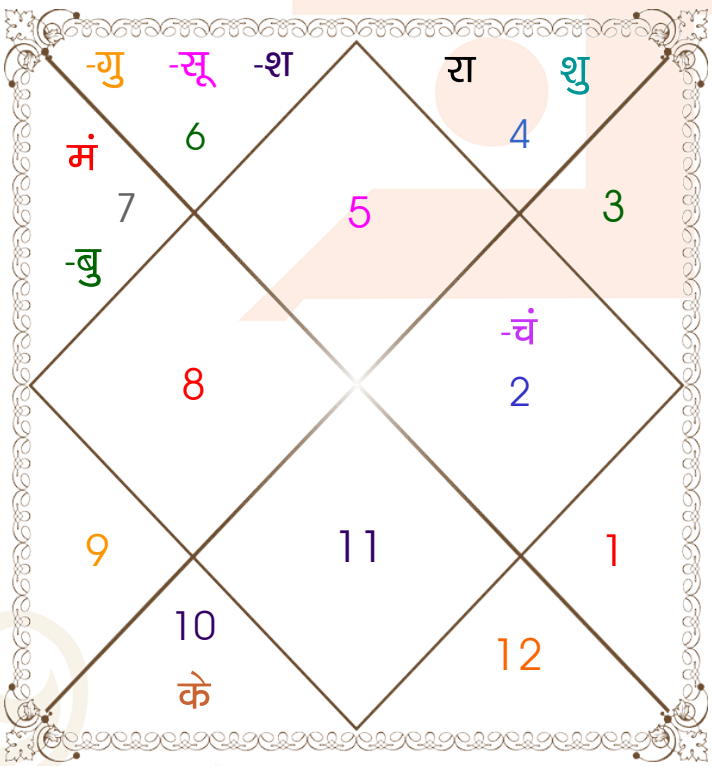

चन्द्र कुंडली

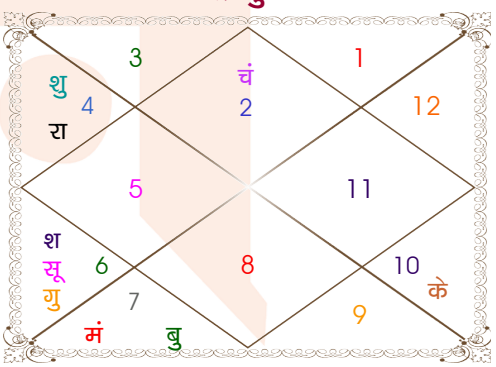

नवमांश कुंडली

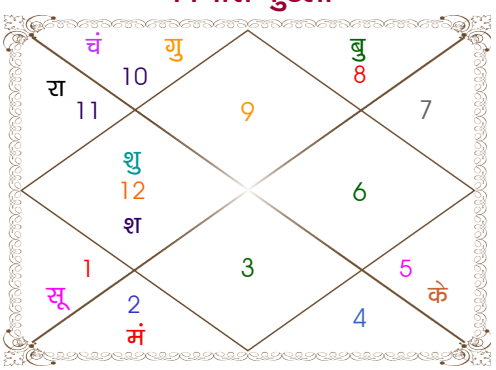

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 2 मास 7 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/09/1980		05/12/1984		06/12/1994		06/12/2001		06/12/2019	
05/12/1984		06/12/1994		06/12/2001		06/12/2019		06/12/2035	
	00/00/0000	चंद्र	06/10/1985	मंगल	04/05/1995	राहु	18/08/2004	गुरु	23/01/2022
	00/00/0000	मंगल	07/05/1986	राहु	22/05/1996	गुरु	11/01/2007	शनि	06/08/2024
	28/09/1980	राहु	06/11/1987	गुरु	27/04/1997	शनि	17/11/2009	बुध	12/11/2026
राहु	24/12/1980	गुरु	07/03/1989	शनि	06/06/1998	बुध	06/06/2012	केतु	18/10/2027
गुरु	12/10/1981	शनि	06/10/1990	बुध	03/06/1999	केतु	24/06/2013	शुक्र	18/06/2030
शनि	24/09/1982	बुध	06/03/1992	केतु	31/10/1999	शुक्र	24/06/2016	सूर्य	07/04/2031
बुध	31/07/1983	केतु	06/10/1992	शुक्र	30/12/2000	सूर्य	19/05/2017	चंद्र	06/08/2032
केतु	06/12/1983	शुक्र	06/06/1994	सूर्य	07/05/2001	चंद्र	18/11/2018	मंगल	13/07/2033
शुक्र	05/12/1984	सूर्य	06/12/1994	चंद्र	06/12/2001	मंगल	06/12/2019	राहु	06/12/2035

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/12/2035		06/12/2054		06/12/2071		06/12/2078		06/12/2098	
06/12/2054		06/12/2071		06/12/2078		06/12/2098		00/00/0000	
शनि	09/12/2038	बुध	04/05/2057	केतु	03/05/2072	शुक्र	06/04/2082	सूर्य	25/03/2099
बुध	18/08/2041	केतु	01/05/2058	शुक्र	03/07/2073	सूर्य	07/04/2083	चंद्र	24/09/2099
केतु	27/09/2042	शुक्र	01/03/2061	सूर्य	08/11/2073	चंद्र	05/12/2084	मंगल	30/01/2100
शुक्र	26/11/2045	सूर्य	05/01/2062	चंद्र	09/06/2074	मंगल	05/02/2086	राहु	29/09/2100
सूर्य	08/11/2046	चंद्र	07/06/2063	मंगल	05/11/2074	राहु	04/02/2089		00/00/0000
चंद्र	09/06/2048	मंगल	03/06/2064	राहु	24/11/2075	गुरु	06/10/2091		00/00/0000
मंगल	19/07/2049	राहु	21/12/2066	गुरु	30/10/2076	शनि	06/12/2094		00/00/0000
राहु	25/05/2052	गुरु	28/03/2069	शनि	09/12/2077	बुध	06/10/2097		00/00/0000
गुरु	06/12/2054	शनि	06/12/2071	बुध	06/12/2078	केतु	06/12/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 2 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।